प्रभात
सुभारती
छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
76 साल बेमिसाल
www.subhartimedia.com लखनऊ, रविवार, 19 अप्रैल 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 08 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित चीनी लैब से ही फैला वायरस! -8

वक्त की मांग : एसएमएस दे रहा ऑनलाइन शिक्षण

लखनऊ-प्रभात

शरद सिंह, सीईओ

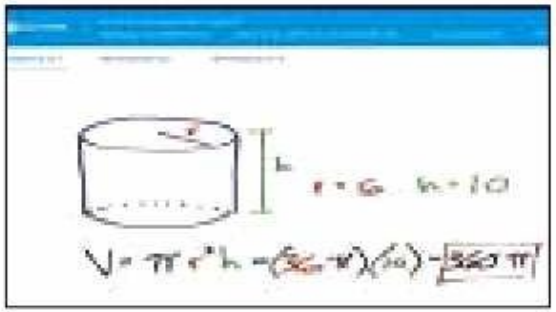

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले जनता कर्फूतथा फिर 24 मार्च से 21 दिन के लिए लॉकडाउन में जनमानस की भागीदारी तथा महामारी की लगातार बढोत्तरी को देखते हुये लॉकडाउन को 3 मई 2020 तक के लिये बढ़ा दिया और इसके पालन में डाक्टरोंए नर्सेज, पुलिस और कोरोना वारियर्स के अथक प्रयास सराहना करते हुये जनता से सप्सती नियम पालन की अपील की है। निस्चित ही इसके अनुपालन में मानवता की सुरक्षा के लिए तथा आपके परिवार व परिजनों के जीवन की सुरक्षा के लिये वरदान साबित होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने मोदी के इस कदम की पुनः सराहना की है।

देशवासी द्वरा संकट की इस घड़ी में जहां सरकार की हर गाइडलाइन का पालन किया जा रहा हैए वही सभी सरकारीए गैरसरकारीए सामाजिक संस्थायें एक तरफए समाज के कमजोर विशेषकर मजदूर वर्ग व दैनिक भोगी मजदूर को मदद कर रहे हैं। आज कुछ शिक्षण संस्थाएं छात्रों की पढ़ाई भी बाधित न हो, इसलिये ऑनलाइन शिक्षण की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी क्रम में स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) लखनऊ ने अपने छात्र-छात्राओं को आनलाइन शिक्षण की व्यवस्था की है। एसएमएस के सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने बताया कि कई दिशा में कोरोना संक्रमण के वैश्विक महामारी की रोकथाम में संस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहा है और लॉकडाउन के आह्वान तथा अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय व लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा के निर्धारित वर्तमान शैक्षणिक सत्र का पठनपाठन का कार्य आनलाइन के माध्यम तथा वर्क.टू.होम के माध्यम द्वारा कराया जा रहा है।

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) प्रो.भरत राज सिंह ने अवगत कराया कि राष्ट्रहित व छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये सभी क्लासेज को समय.सारिणी के अनुसार प्रत्येक अध्यापकों द्वारा लेक्चर.नोट तैयार कर प्रत्येक कक्षाओ का व्हाट्सए, ग्रुप के माध्यम से मूडल लेक्चर, लाइव वीडियो लेक्चरए टेस्ट, क्विज़ तथा गूगल क्लासरूम, यूटूब क्लासरूम से सीधे वीडीओ लेक्चर प्रसारण से कराया जा रहा है तथा प्रत्येक दिवस छात्रो की उपस्थित ली जा रही है। इसकी मानिटरिंग सभी स्तर पर व डीनए डा.धर्मेन्द्र सिंह द्वारा किया जा रहा हैं।

डॉ. सिंह का मानना है कि सभी शिक्षकों सें बेहतर लेक्चर शरीके से तैयार कराकर बिना बोझ व गुणवत्तापरक शिक्षा दी जा रही है। इन कार्यक्रमों में छात्रों में स्वशिक्षण और स्वतंत्र चिंतन की क्षमता के विकास तथा बच्चे में जिज्ञासा को बनाए रखने हेतु भी जोर दिया जा रहा है जिससे उन्हें अपने विचार रखने का अवसर भी प्रदान हो। आज की वैश्विक महामारी की जटिल परिस्थितियों में, शिक्षकों की भूमिका कहीं अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण व महत्वपूर्ण हो गई है। इसी परिप्रेक्ष्य मेंए शिक्षक व शिक्षा को अधिक कारगर बनाने हेतु प्रबंधन द्वारा शिक्षकों को उत्साहित भी किया जा रहा है।